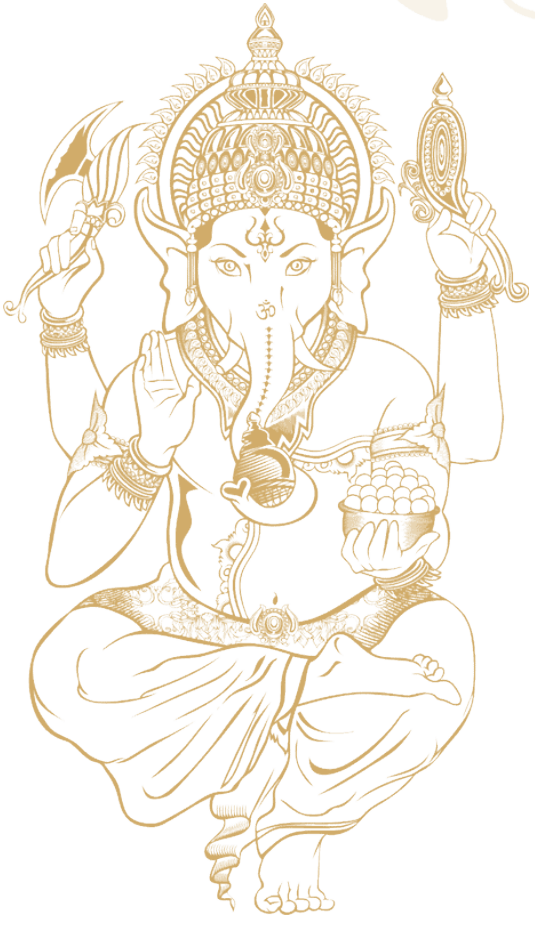

# Mr. Vaibhav Kumar

03 Mar 2019

01:20 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120141704

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **03/03/2019** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **13:20:00 घंटे** |
| इष्ट | 17:51:03 घटी |
| **स्थान** | **Gaya** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 24:48:00 उत्तर |
| रेखांश | 85:00:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:10:00 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 13:30:00 घंटे |
| वेलान्तर | -00:12:01 घंटे |
| साम्पातिक काल | 00:13:13 घंटे |
| सूर्योदय | 06:11:34 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:52:49 घंटे |
| दिनमान | 11:41:15 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 18:19:02 कुम्भ |
| लग्न के अंश | 19:12:50 मिथुन |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मिथुन - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **मकर - शनि** |
| **नक्षत्र-चरण** | **श्रवण - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | चन्द्र |
| योग | परिघ |
| करण | तैतिल |
| गण | देव |
| योनि | वानर |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | मार्जार |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | खी-खिलावन |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मिथु | 19:12:50 | 318:09:33 | आर्द्रा | 4 | 6 | बुध | राहु | चंद्र | --- |
| सूर्य | | | कुंभ | 18:19:02 | 01:00:12 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | चंद्र | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | मक | 12:07:57 | 11:46:42 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | राहु | सम राशि |
| मंगल | | | मेष | 17:14:52 | 00:40:18 | भरणी | 2 | 2 | मंगल | शुक्र | चंद्र | स्वराशि |
| बुध | | | मीन | 05:03:57 | 00:22:46 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | नीच राशि |
| गुरु | | | वृश्चि | 28:00:58 | 00:06:39 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | मित्र राशि |
| शुक्र | | | मक | 07:48:30 | 01:11:08 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | मित्र राशि |
| शनि | | | धनु | 23:49:05 | 00:05:03 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | सम राशि |
| राहु | व | | कर्क | 01:54:43 | 00:01:30 | पुनर्वसु | 4 | 7 | चंद्र | गुरु | राहु | शत्रु राशि |
| केतु | व | | मक | 01:54:43 | 00:01:30 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | गुरु | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | मेष | 05:44:50 | 00:02:34 | अश्विनी | 2 | 1 | मंगल | केतु | राहु | --- |
| नेप | | | कुंभ | 21:54:01 | 00:02:17 | पू०भाद्रपद | 1 | 25 | शनि | गुरु | शनि | --- |
| प्लूटो | | | धनु | 28:22:29 | 00:01:26 | उत्तराषाढ़ा | 1 | 21 | गुरु | सूर्य | चंद्र | --- |
| दशम भाव | | | मीन | 09:28:37 | -- | उ०भाद्रपद | -- | 26 | गुरु | शनि | शुक्र | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:15

## लग्न-चलित

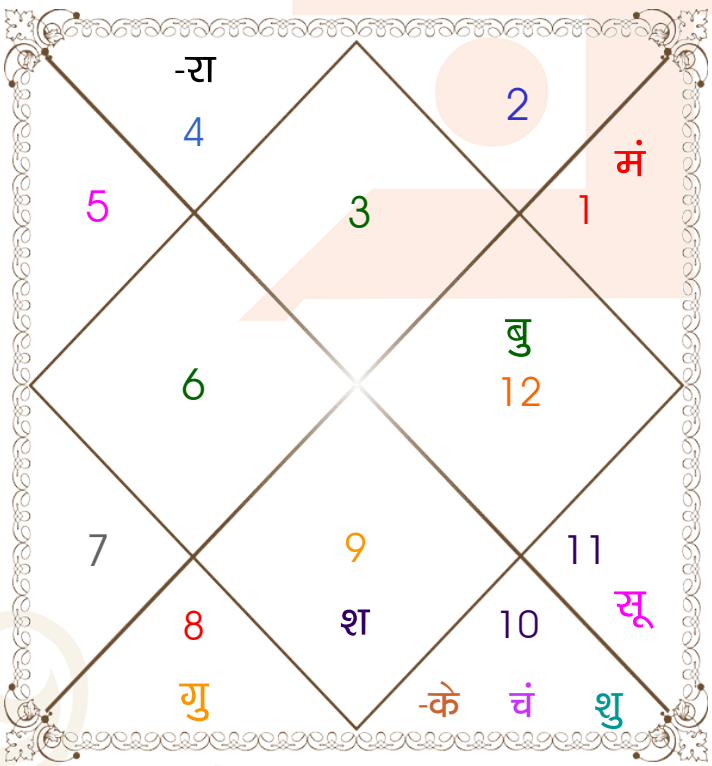


## चन्द्र कुंडली

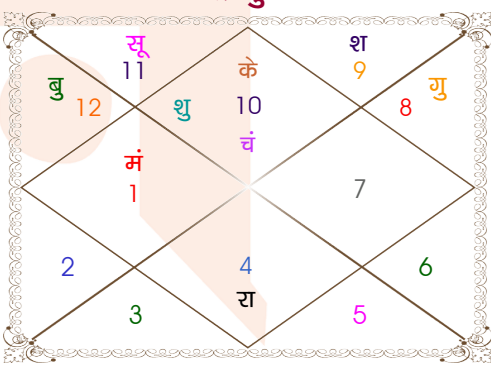


## नवमांश कुंडली

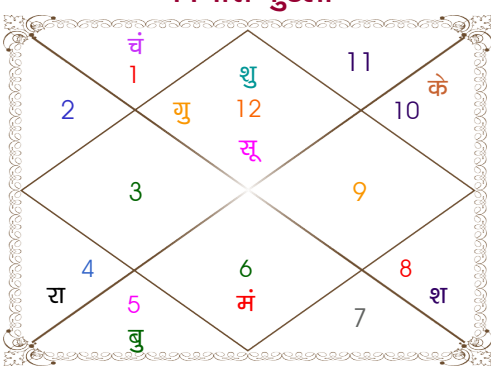

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 4 मास 24 दिन

| चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/03/2019 | | 27/07/2027 | | 27/07/2034 | | 27/07/2052 | | 27/07/2068 | |
| 27/07/2027 | | 27/07/2034 | | 27/07/2052 | | 27/07/2068 | | 27/07/2087 | |
| | 00/00/0000 | मंगल | 24/12/2027 | राहु | 08/04/2037 | गुरु | 14/09/2054 | शनि | 30/07/2071 |
| | 03/03/2019 | राहु | 10/01/2029 | गुरु | 02/09/2039 | शनि | 27/03/2057 | बुध | 09/04/2074 |
| राहु | 26/06/2020 | गुरु | 17/12/2029 | शनि | 09/07/2042 | बुध | 03/07/2059 | केतु | 18/05/2075 |
| गुरु | 26/10/2021 | शनि | 26/01/2031 | बुध | 25/01/2045 | केतु | 08/06/2060 | शुक्र | 18/07/2078 |
| शनि | 28/05/2023 | बुध | 23/01/2032 | केतु | 13/02/2046 | शुक्र | 07/02/2063 | सूर्य | 30/06/2079 |
| बुध | 26/10/2024 | केतु | 20/06/2032 | शुक्र | 13/02/2049 | सूर्य | 26/11/2063 | चंद्र | 28/01/2081 |
| केतु | 27/05/2025 | शुक्र | 20/08/2033 | सूर्य | 07/01/2050 | चंद्र | 27/03/2065 | मंगल | 09/03/2082 |
| शुक्र | 26/01/2027 | सूर्य | 26/12/2033 | चंद्र | 09/07/2051 | मंगल | 03/03/2066 | राहु | 13/01/2085 |
| सूर्य | 27/07/2027 | चंद्र | 27/07/2034 | मंगल | 27/07/2052 | राहु | 27/07/2068 | गुरु | 27/07/2087 |

| बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 27/07/2087 | | 28/07/2104 | | 28/07/2111 | | 28/07/2131 | | 28/07/2137 | |
| 28/07/2104 | | 28/07/2111 | | 28/07/2131 | | 28/07/2137 | | 00/00/0000 | |
| बुध | 23/12/2089 | केतु | 24/12/2104 | शुक्र | 27/11/2114 | सूर्य | 15/11/2131 | चंद्र | 28/05/2138 |
| केतु | 20/12/2090 | शुक्र | 23/02/2106 | सूर्य | 27/11/2115 | चंद्र | 16/05/2132 | मंगल | 27/12/2138 |
| शुक्र | 20/10/2093 | सूर्य | 01/07/2106 | चंद्र | 28/07/2117 | मंगल | 20/09/2132 | राहु | 04/03/2139 |
| सूर्य | 27/08/2094 | चंद्र | 30/01/2107 | मंगल | 27/09/2118 | राहु | 15/08/2133 | | 00/00/0000 |
| चंद्र | 26/01/2096 | मंगल | 28/06/2107 | राहु | 27/09/2121 | गुरु | 03/06/2134 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 22/01/2097 | राहु | 15/07/2108 | गुरु | 28/05/2124 | शनि | 16/05/2135 | | 00/00/0000 |
| राहु | 12/08/2099 | गुरु | 21/06/2109 | शनि | 28/07/2127 | बुध | 22/03/2136 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 18/11/2101 | शनि | 31/07/2110 | बुध | 28/05/2130 | केतु | 28/07/2136 | | 00/00/0000 |
| शनि | 28/07/2104 | बुध | 28/07/2111 | केतु | 28/07/2131 | शुक्र | 28/07/2137 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 4 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।